

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

भाग II-- बन्ड 3-जप-बन्ड (ii)

PART II—Section 3 —Sub-Section (ii)

सं 438]

नई बिल्ली, सोमवार, धन्तूबर 29, 1979/ कार्तिक 7, 1901

No. 438]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 29, 1979/KARTIKA 7, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

ग्रधिस्**च**ना

नहैं विल्ली, 29 श्रक्तूबर, 1979

म्राय-कर

का० मा० 609(म).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर वोर्ड, भाय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त सकितयों का प्रयोग करते हुए, भाय-कर नियम, 1962 में भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाला है, अर्थाल :—

- 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ग्राय कर (सातवां संशोधन) नियम, 1979 है।
 - (2) ये दुरस्त प्रवृत्त होंगे।
 - 2. ग्राय कर नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में,
 - (क) प्रक्रप 36 में, टिप्पण 3 के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखा जाएगा, ग्रंथीत् :---
 - "3, प्रापील का जापन ध्रमेजी में लिखा जाना चाहिए, या, यदि ग्रपील किसी ऐसे राज्य में स्थित न्यायपीठ के समक्ष

फाइल की जाती है जो भाय-कर (प्रपील भिक्करण)
नियम, 1963 के नियम 5क प्रयोजनों के लिए भपील
श्रिधकरण के सभापित द्वारा तत्समय मधिस्चित है तो,
भपीलायों के विकल्प के भनुसार हिन्दी में लिखी जानी
चाहिए भौर उसमें, प्रपील-भाधारों को संक्षेप में तथा
सुभिन्न गीर्षों के मधीन बिना किसी तर्क या विवरण
के, उपर्याणत किया जाना चाहिए भौर ऐसे भाधारों को
कमवार संख्यांकिस किया जाना चाहिए।";

- (ख) अरूप सं० 36क में, टिप्पण के 2 स्थान पर निम्निसिखित टिप्पण रक्षा जाएगा भ्रथात्:—
 - "2 प्रत्याक्षेप का ज्ञापन अंग्रेजी में लिखा जाना चाहिए या,
 यिं ज्ञापन किसी ऐसे राज्य में स्थित न्यायपीठ के समझ
 काइल किया जाता है जो ग्रायकर (ग्रंपील ग्रंधिकरण)
 नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजमों के लिए भपील
 श्रधिकरण के सभापति द्वारा तत्समय ग्रंधिमूचित है तो
 प्रत्यर्थी के विकल्प के भनुसार हिन्दी में लिखा जाना
 चाहिए और उसमें प्रत्याक्षेपों को संक्षेप में तथा सुभिन्न
 शीखों के ग्रंधीन बिना तर्क या विवरण के, उपवर्णित
 किया जाना चाहिए भीर ऐसे ग्राक्षेपों को कमवार
 संज्यांकित किया जाना चाहिए।";

- (ग) प्ररूप सं० 37च में, टिप्पण 3 के स्थान पर निम्नालिखित टिप्पण रखा जाएगा, भर्यात :---
 - "3. प्रपील का ज्ञापन प्रंग्नेजी में लिखा जाना चाहिए या, यिष ध्रपील किसी ऐसे राज्य में स्थित न्यायपीठ के समक्ष फाइल की जाती है जो ध्रायकर (प्रपील प्रधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजनों के लिए प्रपील प्रधिकरण के समापति द्वारा तत्समय प्रधिमुचित है नो प्रपीलायों के विकल्प के प्रमुसार हिन्दी में लिखी जानी चाहिए धौर उसमें प्रपील प्रधिकारों को संक्षेप में तथा सुभिन्न शीखों के प्रधीन, विना तर्क या विवरण के, उपवणित किया जाना चाहिए धौर ऐसे प्राधारों को क्रमवार संख्यांकित किया जाना चाहिए।"

[सं० 3048/फा० सं० 143/4/78-टी०पी० एल०] एस० एन० शिन्दं, समित्र केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th October, 1979

INCOME-TAX

- S.O. 609(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Income-tax (Seventh Amendment) Rules, 1979.
 - (2) They shall come into force at once.

- 2. In Appendix II to the Income-tax Rules, 1962,-
- (a) in Form No. 36, for Note 3 the following Note shall be substituted, namely:—
 - "3. The memorandum of appeal should be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.";
 - (b) in Form No. 36A, for Note 2, the following Note shall be substituted, namely:—
 - "2. The memorandum of cross-objections should be written in English or, if the memorandum is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the respondent, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the cross-objections without any argument or narrative and such objections should be numbered consecutively.";
 - (c) in Form No. 37F, for Note 3, the following Note shall be substituted, namely:--
 - 3. The memorandum of appeal should be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Incometax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively."

[No. 3048/F. No. 143(4)/78-TPL] S. N. SHENDE, Secy. Central Board of Direct Taxes